

तू आज़ा मेरे जग़राते में

ओ मेरी मईया, तेरी कबसे देखु बाट,
तू आज़ा मेरे जग़राते में॥

मैंने तेरा भवन सजाया,
श्रद्धा से तुझको बुलाया,
ओ मेरी मईया, तेरी कबसे देखु बाट,
तू आज़ा मेरे जग़राते में॥

मैंने भक्तों को भी बुलाया,
मैंने तेरा ध्यान लगाया,
ओ मेरी मईया, तेरी कबसे देखु बाट,
तू आज़ा मेरे जग़राते में॥

मैंने तुझको ही अपना माना,
सारा जग़ लगता बेगाना,
ओ मेरी मईया, तेरी कबसे देखु बाट,
तू आज़ा मेरे जग़राते में॥

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24406/title/tu-aaja-mere-jagraate-me>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |